Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 1

– Save This Page as a PDF–

एक यहूदी कोढ़ी का उपचार

पहला मसीहाई चमत्कार

मत्ती ८:२-४; मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६

खोदाई: शारीरिक रूप से कोढ़ी होने का क्या मतलब है? सामाजिक रूप से? आध्यात्मिक रूप से? प्रभु के स्पर्श के बारे में क्या महत्वपूर्ण था? एक मसीहाई चमत्कार क्या था? मसीहा क्यों चाहेगा कि सफाई को पुजारियों द्वारा प्रमाणित किया जाए? यीशु के बारे में याजकों के लिए इसका क्या अर्थ होगा?

विचार: कोढ़ी यहूदी समाज में बहिष्कृत था। आपके सोशल नेटवर्क में बहिष्कृत कौन हैं? आप उन्हें किस प्रकार का स्पर्श दे रहे हैं? आपके लिए इसका क्या मतलब है कि क्रूस पर अपनी मृत्यु के परिणामस्वरूप, येशुआ ने कानूनी तौर पर परमेश्वरकी दया का आपका अधिकार खरीदा है ताकि आपके सभी पाप साफ़ हो सकें? यदि आप वह कोढ़ी होते और अपनी बीमारी से मुक्त हो जाते तो आप किस प्रकार का आभार महसूस करते? क्या आप भी अपने पाप के रोग से शुद्ध होने के बारे में ऐसा ही महसूस करते हैं? क्या आप इसके बारे में चुप रहने में सक्षम हैं? क्यों? क्यों नहीं?

टोरा (लैव्यव्यवस्था १३ और १४) के अंतर्गत कुष्ठ रोग की समस्या का विशेष उपचार किया जाता था। उदाहरण के लिए, किसी मृत इंसान या जानवर को छूने या किसी अशुद्ध जानवर को छूने के अलावा, केवल एक ही बार आप औपचारिक रूप से अशुद्ध हो सकते हैं, वह था किसी कोढ़ी को छूना। टोरा के तहत केवल याजक को ही किसी को कोढ़ी घोषित करने का अधिकार था। कोढ़ी अपने कपड़े फाड़ देते थे, और अपने आप को नाक से नीचे तक ढक लेते थे। यदि वे किसी को अपनी ओर आते हुए देखते थे, तो उन्हें “अशुद्ध, अशुद्ध” कहकर उस व्यक्ति को चेतावनी देनी पड़ती थी, क्योंकि वे अछूत थे। उन्हें यहूदी समुदाय से बहिष्कृत कर दिया जाएगा और वे अन्य यहूदियों के साथ नहीं रह सकेंगे। वे अपने पापों के लिए कोई बलिदान चढ़ाने के लिए तम्बू या मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकते थे। टोरा जितना सख्त था, मौखिक कानून ने इसे और भी कठिन बना दिया (देखें Ei – मौखिक कानून)। रब्बियों ने सिखाया कि यदि हवा नहीं चल रही हो तो किसी को भी कोढ़ी के चार हाथ के भीतर से गुजरने की अनुमति नहीं थी, और यदि हवा चल रही हो तो कोढ़ी के सौ हाथ के भीतर से गुजरने की अनुमति नहीं थी। ऐसा कहा जा सकता है कि कोढ़ी जीवित शरीर में मृत था।

प्राचीन दुनिया में कुष्ठ रोग सबसे खतरनाक बीमारी थी और आज भी इसे पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सकता है, हालांकि उचित दवा से इसे नियंत्रण में रखा जा सकता है। हालाँकि आधुनिक

Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 2

समय में लगभग नब्बे प्रतिशत लोग प्रतिरक्षित हैं, प्राचीन काल में यह बहुत अधिक संक्रामक था। हालाँकि उन्नत कुष्ठ रोग आम तौर पर दर्दनाक नहीं होता है, तंत्रिका क्षति के कारण यह विकृत, दुर्बल करने वाला और अत्यधिक प्रतिकारक हो सकता है। एक प्राचीन रब्बी ने कहा, “जब मैं कोढ़ियों को देखता हूं तो मैं उन पर पत्थर फेंकता हूं ताकि वे मेरे पास न आएं।” दूसरे ने कहा, “मैं उस सड़क पर खरीदा गया अंडा भी नहीं खाऊंगा जहां एक कोढ़ी चला गया था।”

यह रोग आम तौर पर शरीर के कुछ क्षेत्रों में दर्द से शुरू होता है। स्तब्धता आ जाती है। जल्द ही उन धब्बों की त्वचा अपना असली रंग खो देती है। यह गाढ़ा, चमकदार और पपड़ीदार हो जाता है। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, खराब रक्त आपूर्ति के कारण गाढ़े धब्बे गंदे घाव और अल्सर बन जाते हैं। त्वचा, विशेषकर आँखों और कानों के आसपास, गुच्छेदार होने लगती है, सूजन के बीच गहरी खाइयाँ हो जाती हैं, जिससे पीड़ित का चेहरा शेर जैसा दिखने लगता है। उंगलियां गिर जाती हैं या अवशोषित हो जाती हैं; पैर की उंगलियां भी इसी तरह प्रभावित होती हैं। भौहें और पलकें झड़ जाती हैं। इस समय तक कोई भी यह देख सकता है कि इस दयनीय स्थिति में वह व्यक्ति कोढ़ी है। इसे उंगली के स्पर्श से भी महसूस किया जा सकता है. कोई इसे सूँघ भी सकता है, क्योंकि कोढ़ी से बहुत ही अप्रिय गंध निकलती है। इसके अलावा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि रोग पैदा करने वाला एजेंट अक्सर स्वरयंत्र पर हमला करता है, कोढ़ी की आवाज़ एक कर्कश गुणवत्ता प्राप्त कर लेती है। गला बैठ जाता है, और अब आप न केवल कोढ़ी को देख सकते हैं, महसूस कर सकते हैं और सूंघ सकते हैं, बल्कि आप उसकी कर्कश आवाज भी सुन सकते हैं। और यदि आप कुछ समय के लिए कोढ़ी के साथ रहते हैं, तो आप अपने मुंह में एक अजीब स्वाद की कल्पना भी कर सकते हैं, शायद गंध के कारण।

जैसा कि अर्नोल्ड फ्रुचटेनबाम ने विवरण दिया है, जब से टोरा वास्तव में पूरा हुआ था तब से किसी भी यहूदी के कुष्ठ रोग से ठीक होने का कोई रिकॉर्ड नहीं था। टोरा दिए जाने से पहले मरियम ठीक हो गई थी (गिनती १२:1-१५) और नामान सीरियाई था (दूसरा राजा ५:१-१४)। फिर भी मूसा ने दो पूरे अध्याय बिताए, लैव्यिकस १३ और १४, प्रत्येक अध्याय ५० बचन से अधिक लंबा था, जिसमें यह विवरण दिया गया था कि यदि कोई यहूदी कुष्ठ रोग से ठीक हो जाए तो क्या करना चाहिए।

जब मूसा ने लैव्यव्यवस्था १३ और १४ लिखी तो इस्राएली और तम्बू रेगिस्तान में थे। जब नहेमायाह और जरुब्बाबेल यहूदी निर्वासितों के साथ बेबीलोन की कैद से वापस आए तो उन्होंने मंदिर का पुनर्निर्माण करने के लिए यहेजकेल के मंदिर के विवरण का उपयोग किया (यहेजकेल ४६:२१-२४) ताकि यह मसीहाई मंदिर का पूर्वस्वाद व्यक्त कर सके। इसलिए महिलाओं के दरबार में चार कोने वाले कक्षों को मसीहा मंदिर के खाना पकाने के स्टेशनों के आधार पर डिजाइन किया गया था। प्रत्येक कक्ष ३० गुणा ४० हाथ या ४५ गुणा ६० फुट का था। उन कक्षों में से एक कुष्ठरोगियों का कक्ष था! वे चार कोने वाले कक्ष कैसे कार्य करते थे?

सबसे पहले, पूर्वोत्तर कोने में वुडशेड का चैंबर था। यहीं पर कांस्य वेदी के लिए लकड़ी संग्रहीत की गई थी। तल्मूड में एक रब्बी परंपरा शामिल है, जो कहती है कि वुडशेड के चैंबर के नीचे वाचा के सन्दूक के लिए सोलोमन द्वारा बनाया गया एक गुप्त भूमिगत कक्ष है। १९९४

Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 3

के बाद से उस सटीक स्थान का पता लगाना संभव हो गया है जहां दूसरे मंदिर में वुडशेड का चैंबर खड़ा था। दुर्भाग्यवश, आज इसकी तलाश करना संभव नहीं है क्योंकि यह इस्लामवादियों के साथ युद्ध का कारण बन सकता है। इसलिए फिलहाल वाचा के सन्दूक के स्थान पर अभी भी सस्पेंस का पर्दा पड़ा हुआ है।

दूसरा, दक्षिणपूर्व कोने में नाज़ीरियों का कक्ष था। इस कक्ष में एक विशेष चिमनी थी जहां नाज़ीर की प्रतिज्ञा पूरी करने वाले लोग उसके बाल जलाने जाते थे और उसके ऊपर लटके हुए बर्तन में शांति प्रसाद भूनते थे (गिनती ६:१-२१)।

तीसरा, दक्षिण पश्चिम कोने में हाउस ऑफ ऑयल का चैंबर था। यहीं पर विभिन्न प्रयोजनों के लिए आवश्यक तेल रखा जाता था। इस तेल का उपयोग, उदाहरण के लिए, स्वर्ण लैंपस्टैंड के लिए, साथ ही महिलाओं के दरबार को रोशन करने वाले चार दीपकों के लिए, और भोजन प्रसाद के अभिषेक के लिए किया जाता था। पेय-बलि के लिए दाखमधु भी वहाँ रखा जाता था (निर्गमन २९:४०; फिलिप्पियों २:१७; दूसरा तीमुथियुस ४:६)।

और चौथा, उत्तर पश्चिम कोने में कुष्ठरोगियों का कक्ष था। यहीं पर एक शुद्ध कोढ़ी ने खुद को याजक के सामने पेश करने से पहले अनुष्ठान स्नान में खुद को धोया था। लैव्यव्यवस्था १३ और १४. में वर्णित शुद्धिकरण प्रक्रिया से गुजरने के बाद यह आखिरी काम था जो वह करेगा लेकिन याजक द्वारा औपचारिक रूप से शुद्ध घोषित किए जाने के लिए उसे वास्तव में क्या करना था?

यदि कोई यहूदी कुष्ठ रोग से ठीक होने का दावा करता है, तो वह शुरू में उसी दिन दो पक्षियों की भेंट लाता था। एक पक्षी को मार दिया गया, दूसरे पक्षी को पहले पक्षी के खून में डुबाकर आज़ाद कर दिया गया। उसके बाद, याजक के पास तीन सवालों के जवाब देने के लिए सात दिन का समय होगा। पहला, क्या वह व्यक्ति वास्तव में कोढ़ी था (चूँकि केवल याजक ही किसी व्यक्ति को कोढ़ी घोषित कर सकता था इसलिए इसका कहीं न कहीं कोई रिकॉर्ड होना चाहिए था)? यदि उत्तर हाँ था, तो दूसरे प्रश्न का उत्तर देना होगा। क्या यह व्यक्ति सचमुच कुष्ठ रोग से ठीक हो गया था? उन्हें कैसे पता चलेगा? यह देखने के लिए कि कोढ़ फिर से प्रकट हुआ है या नहीं, उन्हें सात दिन के लिए इस्राएल की छावनी से बाहर रखा जाना चाहिए। यदि उत्तर हाँ था, और वे वास्तव में कुष्ठ रोग से ठीक हो गए थे, तो तीसरे प्रश्न का उत्तर देना होगा। उपचार की परिस्थितियाँ क्या थीं? दूसरे शब्दों में, क्या उपचार वैध था या नहीं?

यदि इन सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया, तो आठवां दिन, अनुष्ठान का दिन होगा। उस दिन तम्बू या मन्दिर में चार चढ़ावे होंगे। सबसे पहले, एक पाप बलि थी (निर्गमन Fc– पाप की बलिदान पर मेरी टिप्पणी देखें)। याजक बलि का वध करता था और उसे कांस्य वेदी पर रखता था। दूसरा, अपराध बोध की पेशकश थी (निर्गमन Fd – दोष की बलिदान पर मेरी टिप्पणी देखें)। याजक पापबलि का खून लेगा और उसे शुद्ध कोढ़ी के शरीर के तीन हिस्सों पर लगाएगा: कान, अंगूठा और दाहिने पैर का अंगूठा। तीसरा, एक होमबलि थी (निर्गमन Fe – होम बलिदान पर मेरी टिप्पणी देखें)। यह प्रक्रिया, कान, अंगूठा, दाहिने पैर का अंगूठा, पापबलि के रक्त के साथ दोहराया

Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 4

गया था। चौथा, भोजन की पेशकश थी (निर्गमन Ff– सस्या बलीदार पर मेरी टिप्पणी देखें)। फिर वह स्वयं को कुष्ठरोगियों के कक्ष में धोता था। केवल तभी छलांग लगाने वाला यहूदी समुदाय और तम्बू या मंदिर में लौटने में सक्षम था। इस सारी जानकारी के साथ, लेवियों को इसे उपयोग में लाने का एक भी अवसर नहीं मिला। सदियों और सदियों का कोई भी रिकॉर्ड नहीं!

जबकि रब्बी लेखन में कई अलग-अलग बीमारियों के लिए कई इलाज थे, कुष्ठ रोग का कोई इलाज नहीं था। रब्बियों ने सिखाया कि यह अपने साथ दैवीय अनुशासन की अवधारणा रखता है क्योंकि परमेश्वर कभी-कभी कुष्ठ रोग से दंडित करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने सिखाया कि टोरा का उल्लंघन करने पर कुष्ठ रोग एक सज़ा है। इसलिए किसी भी यहूदी को कुष्ठ रोग होने पर उसे दैवीय अनुशासन के अधीन माना जाता था और उसे ठीक नहीं किया जा सकता था, जैसे कि राजा उज्जिय्याह (दूसरा इतिहास २६:२१)। यह सिखाने में, उन्हें, संक्षेप में, लैव्यव्यवस्था १३ और १४ को नजरअंदाज करना पड़ा। शायद उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इस खतरनाक बीमारी से कोई भी कभी ठीक नहीं हुआ था।

पुजारियों को यह बहुत अजीब लगा होगा, खासकर यीशु
के दिनों में, कि महिलाओं के दरबार में चार कोने वाले कक्षों में से तीन का लगातार उपयोग किया जाता था – लेकिन एक का कभी भी उपयोग नहीं किया गया था। सदी दर सदी कोढ़ियों का कक्ष खाली पड़ा रहा, एक यहूदी कोढ़ी की प्रतीक्षा में। उन्हें आश्चर्य हुआ होगा कि क्यों, और अंततः रब्बी एक स्पष्टीकरण लेकर आए (जैसा कि वे हमेशा करते थे)। रब्बियों ने सिखाया कि जब मसीहा आएगा, तो वह एक यहूदी कोढ़ी को ठीक करने में सक्षम होगा। ईसा मसीह के जन्म से बहुत पहले रब्बियों ने चमत्कारों को दो श्रेणियों में विभाजित किया था। पहला, चमत्कार जो कोई भी कर सकता है अगर ईश्वर उसे शक्ति दे, और दूसरा, चमत्कार केवल मसीहा ही कर सकता है। दूसरी श्रेणी में तीन विशिष्ट चमत्कार थे: एक यहूदी छलांग लगाने वाले का उपचार, एक मूक राक्षस को बाहर निकालना, और एक जन्मांध व्यक्ति का उपचार।

जब यीशु एक नगर में था, तो एक मनुष्य आया जिस पर कोढ़ का रोग था। वह पूरी तरह विकसित हो चुका था, यानी वह आदमी लगभग मर चुका था। जब उसने यीशु को देखा, तो पूरी विनम्रता के साथ वह अपना चेहरा जमीन पर गिरा दिया (ग्रीक: प्रोस्कुनेओ, जिसका अर्थ है चेहरे को चूमना) और उसने मदद मांगी और उससे विनती की: हे प्रभु, यदि आप चाहें, तो आप मुझे शुद्ध कर सकते हैं (मत्ती ८:२;

Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 5

मार्क १:४०; ल्यूक ५:१२)। उस व्यक्ति ने महान चिकित्सक की दयालुता की अपील की। चमत्कारी रब्बी के पास आने का कारण उसका विश्वास था। उसे पहले से ही विश्वास था कि यीशु मसीहा है और वह उसकी बीमारी ठीक कर सकता है।

टोरा ने किसी भी यहूदी को कोढ़ी को छूने से मना किया क्योंकि कोढ़ी को अशुद्ध घोषित किया गया था: यदि कोई व्यक्ति किसी मानवीय अशुद्धता को छूता है, चाहे उसकी अशुद्धता का स्रोत कुछ भी हो, और इससे अनजान है, तो, जब उसे इसके बारे में पता चलता है, तो वह पाप का दोषी होता है (लैव्यव्यवस्था ५:३)। इस भेंट के लिए गलत कार्य के लिए स्वीकारोक्ति और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता थी। परन्तु यीशु ने उस मनुष्य को छुआ जिसे इस्राएल में कोई नहीं छूएगा। कहना (एक वर्तमान कृदंत): मैं इच्छुक हूँ। करुणा से भरकर, उसने अपना हाथ (एक सिद्धांतवादी कृदंत) बढ़ाया और उस आदमी (एक सिद्धांतवादी क्रिया) को छुआ। यह कैसे संभव है? क्या बाइबल स्वयं का खंडन कर रही है? या इससे भी बदतर, क्या धर्मग्रंथ हमें बता रहे हैं कि येशुआ ने पाप किया और टोरा का पूरी तरह से पालन नहीं किया? नहीं, यह अकल्पनीय है (रोमियों ६:२)!

यूनानी पाठ हमें एक अद्भुत उत्तर देता है। इस
निर्माण को नियंत्रित करने वाले ग्रीक व्याकरण का नियम कहता है कि वर्तमान काल कृदंत की क्रिया अग्रणी क्रिया की क्रिया के साथ-साथ चलती है। तो जब यीशु ने कहा: स्वच्छ रहो! तुरन्त उसका कोढ़ दूर हो गया और वह शुद्ध हो गया (मत्ती ८:३; मरकुस १:४१-४२; लूका ५:१३)। इसका मतलब यह है कि हमारे प्रभुने कोढ़ी को शुद्ध करने के लिए नहीं छुआ, बल्कि उसे और उसके आस-पास के लोगों को यह दिखाने के लिए कि यीशु के छूने से पहले ही वह अपने कुष्ठ रोग से शुद्ध हो चुका था। टोरा एक यहूदी को कोढ़ी को छूने से मना करता है। मसीहा टोरा के अधीन रहते थे और इसका पूरी तरह से पालन करते थे। तो मानव हाथ का पहला दयालु स्पर्श जो कोढ़ी ने कभी अनुभव किया था (कुष्ठ रोग से पीड़ित होने के बाद से), वह ईश्वर के पुत्र का कोमल स्पर्श था।

जब यीशु ने चंगा किया, तो वह तुरंत ठीक हो गया। चरणों में बहाली आने का इंतज़ार नहीं करना पड़ा। वह एक शब्द या स्पर्श से, बिना प्रार्थना के और कभी-कभी पीड़ित व्यक्ति के करीब रहे बिना भी ठीक हो जाता था। वह पूरी तरह से ठीक हो गये, कभी भी आंशिक रूप से ठीक नहीं हुए। उसने उन सभी को चंगा किया जो उसके पास आए थे, हर उस व्यक्ति को जो उसके पास लाया गया था, और हर उस व्यक्ति को जिसके लिए दूसरे ने उपचार की मांग की थी। उसने जन्म से ही जैविक रोगों को ठीक किया और उसने मृतकों को जीवित किया। आज जो कोई भी उपचार के उपहार का दावा कर रहा है उसे भी ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए।

Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 6

यीशु ने तुरन्त उसे कड़ी चेतावनी देकर विदा किया, “देख, तू यह बात किसी को न बताना।” परन्तु जाओ, अपने आप को याजक को दिखाओ, और उन बलिदानों को चढ़ाओ जिनकी आज्ञा मूसा ने तुम्हारे शुद्धिकरण के लिये दी है, कि उन पर गवाही हो (मत्ती ८:४; मरकुस १:४३-४४; लूका ५:१४)। आम तौर पर, महासभा द्वारा अस्वीकार किए जाने से पहले, यीशु उस व्यक्ति से कहते थे कि वह ठीक हो गए हैं और जाकर बताएं कि प्रभु ने क्या किया है क्योंकि वह खुद को इसराइल राष्ट्र के सामने मसीहा के रूप में पेश कर रहे थे। लेकिन यहाँ वह इस आदमी से कहता है: किसी को मत बताना। क्यों? क्योंकि येशुआ चाहता था कि महासभा उसके मसीहा होने के दावों को गंभीरता से लेना शुरू कर दे। उन्हें सात दिनों की व्यापक जांच से गुजरना होगा और पूछना होगा कि उपचार की परिस्थितियाँ क्या थीं। उस समय उन्हें पता चला कि यीशु ने एक यहूदी छलांग लगाने वाले को ठीक किया था, जो एक मसीहाई चमत्कार था। इस उदाहरण में हमारे उद्धारकर्ता ने एक स्वस्थ यहूदी कोढ़ी को महासभा में भेजा, लेकिन महासभा द्वारा मेशियाक के रूप में उसकी आधिकारिक अस्वीकृति के बाद, उसने दस और भेजे (लूका १७:११-१९)!

इसके बजाय शुद्ध किया गया कोढ़ी बाहर चला गया और खुलकर बात करने लगा, इसलिए यीशु के बारे में खबर और अधिक फैल गई, ताकि लोगों की भीड़ उसे सुनने और अपनी बीमारियों से ठीक होने के लिए आने लगी (मरकुस १:४५ ए; ल्यूक ५:१५)। हर कोई जानता था कि एक यहूदी कोढ़ी को शुद्ध करने का क्या मतलब है। यह पहला मसीहाई चमत्कार था।

परिणामस्वरूप, येशुआ अब खुले तौर पर किसी शहर में प्रवेश नहीं कर सकता था बल्कि बाहर एकांत स्थानों में रहता था और प्रार्थना करता था। फिर भी लोग हर जगह से उसके पास आये (मरकुस १:४५b; लूका ५:१६)। आया एर्चोन्टो है, एक अपूर्ण, निरंतर कार्रवाई का संकेत देता है, दूसरे शब्दों में, वे आते रहे। उसने प्रार्थना की कि आगे क्या होगा। यह सैन्हेड्रिन के सदस्यों के साथ टकराव का समय था (Lg – महान महा याजक देखें)।

यह सब कैसे यीशु मसीह के शुभ समाचार की पुरानी कहानी को दर्शाता है। कुष्ठ रोग एक प्रकार का पाप है। पापियों के रूप में, हम चिल्लाते हुए आते हैं: अशुद्ध, अशुद्ध, यदि आप चाहें, तो आप मुझे शुद्ध कर सकते हैं। और यीशु, करुणा से भर कर, अपना हाथ बढ़ाते हैं और हमें छूते हुए कहते हैं: मैं तैयार हूं। साफ रहें। और, कोढ़ी के मामले की तरह, वह हमें छूने से पहले ही हमें पाप से शुद्ध कर देता है। युहन्ना का सुसमाचार हमें स्पष्ट प्रमाण देता है कि औचित्य पुनर्जनन से पहले आता है। दया तभी दी जाती है जब पाप के विरुद्ध ईश्वर का धर्मी क्रोध पूरी तरह से संतुष्ट हो जाता है (देखें Lb. – क्रॉस पर दूसरा तीन घंटे: ईश्वर का क्रोध)। यह सच है: फिर भी जिन लोगों ने उसे प्राप्त किया, उन सभी को जिन्होंने विश्वास किया, उसने परमेश्वर की संतान बनने का [कानूनी] अधिकार दिया (यूहन्ना १:१२)। इसलिए, जब हम प्रभु येशु को उस व्यक्ति के रूप में पहचानते हैं जिसका रक्त क्रूस पर बहाया गया था, जिसने कानूनी रूप से ईश्वर की दया का हमारा अधिकार खरीदा था, तब हमें शाश्वत जीवन प्राप्त होता है (देखें Bw – विश्वास के क्षण में ईश्वर हमारे लिए क्या करता है)।

यहोवा के नाम से बोलते हुए, यहेजकेल ने भविष्यवाणी की: मैं तुम पर शुद्ध जल छिड़कूंगा, और तुम शुद्ध हो जाओगे; मैं तुम्हें तुम्हारी सारी अशुद्धियों से शुद्ध कर दूँगा। . . मैं

Cn – एक यहूदी कोढ़ी का उपचार पहला मसीहाई चमत्कार मत्ती ८:२-४;
मरकुस १:४०-४५; लूका ५:१२-१६ | 7

तुम्हें नया हृदय दूंगा और तुम में नई आत्मा उत्पन्न करूंगा (यहेजकेल ३६:२५-२६)।

ओह, ईश्वरीय स्पर्श की शक्ति। क्या आप इसे जानते हैं? वह डॉक्टर जिसने आपका इलाज किया, या वह शिक्षक जिसने आपके आँसू सुखाये? क्या किसी अंतिम संस्कार में आपका हाथ थामने वाला कोई था? परीक्षण के दौरान आपके कंधे पर एक और? नई नौकरी में स्वागत के लिए हाथ मिलाना?

क्या हम वही पेशकश नहीं कर सकते?

बहुत से लोग पहले से ही ऐसा करते हैं। आप अपने हाथों का उपयोग बीमारों के लिए प्रार्थना करने और कमज़ोरों की सेवा करने के लिए करते हैं। यदि आप उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं छू रहे हैं, तो आपके हाथ पत्र लिख रहे हैं, ईमेल टाइप कर रहे हैं, या पाई पका रहे हैं। आपने स्पर्श की शक्ति सीख ली है।

लेकिन हममें से दूसरे लोग भूल जाते हैं। हमारे दिल अच्छे हैं; बात सिर्फ इतनी है कि हमारी यादें खराब हैं। हम भूल जाते हैं कि एक स्पर्श कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। . .

क्या हमें ख़ुशी नहीं है कि यीशु ने वही गलती नहीं की?